अध्याय 12

परिवहन

भारत में परिवहन क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। विशेषकर दिल्ली में इस क्षेत्र पर काफी दबाव है। इसलिए योजनाकारों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है कि एकीकृत और सतत शहरी परिवहन प्रणाली के लिए सभी समावेशी संकेतकों की समीक्षा की जाए। अनियोजित शहरीकरण और वाहनों की बढ़ती संख्या वाले दिल्ली जैसे किसी शहर में मेट्रो रेल और बस परिवहन जैसी व्यापक प्रणालियों के सतत उपयोग पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। ऐसे में एकीकृत परिवहन रणनीति अत्यंत आवश्यक है, ताकि परिवहन के विभिन्न माध्यमों को कुशलता से एकीकृत किया जाए, जिससे सतत परिवहन सुविधाजनक हो सके। योजनाकारों का लक्ष्य शहरों में समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ, सुरक्षित, सुगम्य, तीव्र, आरामदायक, भरोसेमंद और सतत आवागमन सुविधा सुनिश्चित करना है। इसके लिए यह समानरूप से महत्वपूर्ण है कि परिवहन की इन सभी उप प्रणालियों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय निरंतरता पर मनन किया जाए और समझा जाए।

1.1 दिल्ली की सामाजिक आर्थिक विविधता के कारण आबादी का बड़ा भाग अभी भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं कर रहा है। निजी कारों और दोपहिया वाहनों के बढ़ते उपयोग के कारण वायु गुणवत्ता में गिरावट और यातायात सुरक्षा के लिए भारी समस्या पैदा हो गई है। कई शहरी इलाकों में सड़क/गलियों में भीड़–भाड़ और यातायात जाम काफी बढ गया है और दिल्ली भारत में ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) का सबसे बड़ा उत्सर्जक शहर बना हुआ है। इसलिए दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को और अधिक कुशल और प्रभावी बनाने की जरूरत है।

1.2 शहरों में सतत सुचारू सार्वजनिक परिवहन का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित बातें महत्वपूर्ण हैं:

- सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को प्राथमिकता एवं व्यापक गतिशीलता के लिए सक्षम बनाना।
- पैदल आवागमन, साइकिल, बस, मेट्रो और रेल जैसे माध्यमों को शामिल कर एक बहु मॉडल और एकीकृत आवागमन प्रणाली विकसित करना।
- वायु गुणवत्ता में गिरावट संबंधी समस्याओं की रोकथाम के लिए अधिक सुलभ, सतत और पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी/ईंधन (सीएनजी वाहन, हाइब्रिड, विद्युत वाहन इत्यादि) अपनाना।

2. परिवहन बुनियादी ढांचा

2.1 सड़क नेटवर्क

दिल्ली में सड़क नेटवर्क का विकास और रख–रखाव लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी), दिल्ली छावनी बोर्ड (डीसीबी) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) द्वारा किया जा रहा है। दिल्ली में विभिन्न एजेंसियों के रख–रखाव के तहत आने वाले सड़क नेटवर्क की लंबाई विवरण 12.1 में दी गई है।

विवरण 12.1

दिल्ली में एजेंसीवार सड़क नेटवर्क की स्थिति

(31 मार्च, 2023 तक, लंबाई लेन कि.मी. में)

क्र सं	एजेंसी	सड़क लंबाई
1.	दिल्ली नगर निगम	12703.95
2.	नई दिल्ली नगर पालिका परिषद	1290
3.	डीएसआईआईडीसी	2428
4.	आई एंड एफसी	357.39
5.	डीडीए	435*
6.	लोक निर्माण विभाग (दिल्ली सरकार)	
	क. राष्ट्रीय राजमार्ग	35
	ख. अन्य सड़कें	1345

स्रोत : दिल्ली सांख्यिकी हैंडबुक : 2023

2.2 सड़क अवसंरचना

2.2.1 पैदल पारपथ सुविधाएं–फुटओवर ब्रिजेज (एफओबीज)

दिल्ली जनसंख्या और वाहन घनत्व दोनों के मामले में दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक है। बढ़ती शहरी आबादी के साथ, सड़कों पर पैदल यात्रियों की आवाजाही के साथ–साथ वाहन घनत्व में भी वृद्धि हो रही है, जिससे सड़कों के साथ–साथ दोनों तरफ यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए पैदल मार्ग के संदर्भ में उचित बुनियादी ढांचे और सुविधा की मांग बढ़ रही है। दिल्ली में, वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही के बीच टकराव से बचने और वाहनों और पैदल चलने वालों की बिना किसी रुकावट के दुर्घटना–मुक्त आवाजाही की सुविधा के लिए बड़ी संख्या में एफओबीज का निर्माण किया गया है।

निम्नलिखित एफओबीज निर्माणाधीन हैं और 31.03.2024 तक पूरा होने की संभावना है:–

- अदचीनी गांव में श्री अरबिंदो मार्ग
- हौजखास एन्क्लेव (पदि्मनी एन्क्लेव के पास)
- पीटीएस बस स्टॉप पर श्री अरबिंदो मार्ग
- नवनिर्मित कोर्ट भवन और तीस हजारी कोर्ट कॉम्प्लेक्स, बुलेवार्ड रोड के बीच फुट ओवर ब्रिज का निर्माण
- गणेश चौक आरओबी–36 रोड पर सड़क के पार पैदल चलने वालों के लिए सीढ़ियों और लिफ्टों के साथ फुट ओवर ब्रिज का निर्माण

2.2.2 फ्लाईओवर और ब्रिज/कॉरीडोर

फ्लाईओवर और ब्रिज/कॉरिडोर ब्रिज का उपयोग/निर्माण अक्सर वहां किया जाता है, जहां भारी यातायात की भीड़ होती है या जहां सड़कें विभिन्न स्तरों पर मिलती हैं। वे किसी क्षेत्र में वाहनों को अधिक तेज़ी से और कुशलता से चलने की सुविधा प्रदान करके यातायात की भीड़ को कम करने

में मदद कर सकते हैं। उनसे चौराहों पर टकराव के जोखिम को कम करके सुरक्षा में सुधार भी किया जाता है।

कई बुनियादी सड़क ढांचा परियोजनाएं (जैसे फ्लाईओवर, पुल, कॉरिडोर, अंडरपास इत्यादि) नीचे दी गई हैं:

- **एलिवेटेड कॉरिडोर बारापूला चरण–III :** सराय काले खां से मयूर विहार चरण– III तक का विस्तार 1260.63 करोड़ रुपये (निविदा लागत 964 करोड़ रुपये) के लिए स्वीकृत किया गया था। अक्टूबर, 2023 तक 880.11 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। कार्य प्रगति पर है और शेष 9341 वर्गमीटर भूमि अधिग्रहण अंतिम चरण में है। अक्टूबर, 2023 तक 82 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। काम अस्थायी अनुमान के अनुसार 31.12.2024 तक पूरा होने की संभावना है।

- **आईआईटी से एनएच–.8 तक बाहरी रिंग रोड का कॉरिडोर सुधार भाग क– पूर्व में मौजूदा मुनिरका फ्लाईओवर को पश्चिम में आर्मी आरआर अस्पताल से आगे तक जोड़ने वाले पोर्टल स्ट्रैक्चर पर फ्लाईओवर। भाग ख–बीजे मार्ग और आंतरिक सड़क के जंक्शन पर अंडरपास :** पूर्व में मौजूदा मुनिरका फ्लाईओवर को बाहरी रिंग रोड पर पश्चिम में आर्मी आरआर अस्पताल से आगे तक जोड़ने वाले पोर्टल स्ट्रैक्चर पर (भाग–क) फ्लाईओवर के निर्माण की परियोजना (भाग–ख) बीजे मार्ग और इनर रिंग रोड के जंक्शन पर अंडरपास को 364.87 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है। अक्टूबर, 2023 तक 345.20 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। परियोजना पूरी हो गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।

- **मथुरा रोड पर आश्रम चौक के निकट अंडरपास का निर्माण :** इस परियोजना की अनुमानित लागत, सेवाओं के स्थानांतरण सहित, 77.92 करोड़ रुपये है। अक्टूबर 2023 तक 75.60 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। परियोजना पूरी हो गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।

- **रामपुरा में (i) एनएच–10 (ii) त्रिनगर/इंद्रलोक और (iii) कर्मपुरा दिल्ली में पुलों का निर्माण कार्य** : त्रि–नगर/इंद्रलोक, करमपुरा और रामपुरा, दिल्ली में नजफगढ़ नाले पर पुल के निर्माण के साथ, पहले से निर्मित पुल के क्षेत्र को छोड़कर पूरे आरओडब्ल्यू को कवर किया जा सकेगा, साथ ही पुल के दोनों ओर सड़क सुधार कार्य, जिनमें जल निकासी योजना, फुटपाथ आदि शामिल होंगे। इस परियोजना के लिए 85.90 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत मंजूर की गई थी। अक्टूबर, 2023 तक 70.46 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। कार्य पूरा हो चुका है और जनता के लिए खोल दिया गया है।

- **आश्रम फ्लाईओर से डीएनडी फ्लाईओवर तक फ्लाईओवर का विस्तार : एफओबी रैंप, फुटपाथ, सड़क, संकेतक, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी और अन्य संबधित कार्य :** इस परियोजना की अनुमानित लागत 164.84 करोड़ रुपये है। अक्टूबर, 2023 तक 161.91 करोड़ रुपए व्यय हो चुके हैं। कार्य पूरा हो गया है और यातायात के लिए खोल दिया गया है।

- **पंजाबी बाग फ्लाईओवर और राजागार्डन फ्लाईओवर के बीच एकीकृत ट्रांजिट कॉरीडोर विकास और स्ट्रीट नेटवर्क :** इस परियोजना की अनुमानित लागत 352.32 करोड़ रुपए है। अक्टूबर, 2023

तक 174.31 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। निर्माण कार्य 28.02.2024 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

- **आनंद विहार आरओबी से अप्सरा बॉर्डर आरओबी दिल्ली तक रोड नंबर 56, ग्रेड सेपरेटर/फ्लाईओवर का निर्माण** : परियोजना की अनुमानित लागत 372.04 करोड़ रुपए है। अक्टूबर, 2023 तक 201.27 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। निर्माण कार्य 31.03.2024 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

- **ओआरआर न्यू मुकरबा चौक पर जैक पुशिंग प्री–कास्ट आरसीसी बॉक्स द्वारा अंडरपास का निर्माण:** इस परियोजना की अनुमानित लागत 59.50 करोड़ रुपये है। अक्टूबर, 2023 तक 9.54 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं; कार्य 30.06.2024 तक पूरा होने की संभावना है।

- **गोपालपुर रेडलाइट–जगतपुर ब्रिज पर आउटर रिंग रोड पर हाफ अंडर पास का निर्माण कार्य:** इस परियोजना पर अनुमानित लागत 38.17 करोड रुपये आंकी गई है। अक्टूबर, 2023 तक 36.10 करोड़ रुपए व्यय हो चुके हैं। कार्य पूरा हो चुका है और जनता के लिए खोल दिया गया है।

- **पूरे आरओडब्ल्यू को कवर करने के लिए बसई दारापुर में नजफगढ़ नाले पर पुल को चौड़ा करने का काम** : परियोजना की अनुमानित लागत 48.60 करोड़ रुपए है। अक्टूबर, 2023 तक 46.06 करोड़ रुपए व्यय हो चुके हैं। कार्य पूरा हो चुका है और जनता के लिए खोल दिया गया है।

- **राष्ट्रीय राजमार्ग–10 पर नांगलोई के निकट नजफगढ़ नाले पर पुलों को चौड़ा करने के काम:** परियोजना की अनुमानित लागत 42.21 करोड़ रुपए है। अक्टूबर, 2023 तक 37.82 करोड़ रुपए व्यय हो चुके हैं। कार्य पूरा हो चुका है और जनता के लिए खोल दिया गया है।

- **ग़ाज़ीपुर ड्रेन से शमशान घाट, ग़ाज़ीपुर डेयरी फार्म रोड, दिल्ली तक ग़ाज़ीपुर ड्रेन हिंडन नहर पर स्लिप रोड ब्रिज (कोंडली ब्रिज पर) प्रदान करना** –परियोजना लागत 25.43 करोड़ रुपये है। 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अक्टूबर, 2023 तक 24.70 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। कार्य पूर्ण होने की लक्ष्य तिथि 31.03.2024 है।

- **आईटीओ से आश्रम तक यातायात के लिए सराय काले खां में अतिरिक्त हॉफ फ्लाईओवर का निर्माण–** इस कार्य के लिए 27.04.2022 को 66.55 करोड़ की राशि मंजूरी की गई थी। फ्लाईओवर पूरा हो चुका है और यातायात के लिए खोल दिया गया है। अक्टूबर, 2023 तक 40.51 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

- **रोड साइनेज, इलेक्ट्रिकल वर्क्स, ड्रेनेज, आरडब्ल्यूएच और संबद्ध कार्यों आदि के तहत नंद नगरी और गगन सिनेमा जंक्शन पर फ्लाईओवर और मंगल पांडे मार्ग के लोनी चौक पर अंडरपास का निर्माण** – इस परियोजना की मंजूरी राशि 341.20 करोड़ रुपये है। अक्टूबर 2023 तक 53.35 करोड़ का खर्च हो चुका है; कार्य 31.07.2024 तक पूरा होने की संभावना है।

2.2.3 बस टर्मिनल और डिपो

इस परियोजना का उद्देश्य बस से यात्रा करने वालों के लिए बुनियादी सुविधाओं का निर्माण करना है। दिल्ली में 23 क्लस्टर बस डिपो और 40 डीटीसी बस डिपो हैं, जिनमें एक डीटीसी डिपो सावदा घेवरा में निर्माणाधीन है और कुल 11 बस डिपो (डीटीसी–8, क्लस्टर–3) विद्युतीकृत हैं। दिल्ली में 17 बस टर्मिनल हैं जिनमें से 16 चालू हैं।

2.2.4 अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी)

दिल्ली में मौजूदा समय में तीन अंतराज्यीय बस टर्मिनल कार्यरत हैं – कश्मीरी गेट, सराय कालेखां और आनंद विहार। कश्मीरीगेट आईएसबीटी का नवीनीकरण किया गया है और इसे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। सराय काले खां और आनंद विहार आईएसबीटी की परियोजनाएं लोक निर्माण विभाग द्वारा पुनः विकसित की जाएगी ताकि उनका आरआरटीएस परियोजनाओं से एकीकरण किया जा सके।

2.2.5 रेल नेटवर्क

देश के रेल मानचित्र पर दिल्ली एक प्रमुख जंक्शन है और मुख्य महानगरों के साथ सीधे जुड़ा है। दिल्ली में पांच मुख्य रेलवे स्टेशन हैं : नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, सराय रोहिल्ला और आनंद विहार। इनके अलावा पटपड़गंज और तुगलकाबाद मे कंटेनर डिपो हैं। दिल्ली डिविजन हर दिन 496 यात्री ट्रेनों और 210 मालगाड़ियों को संभालता है (स्रोतः उत्तर रेलवे https://nr.indianrailways.gov.in/)

2.3 रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस)

विभिन्न मुद्दों को हल करने, निरंतर बढ़ती आबादी की अपेक्षाएं पूरी करने के साथ–साथ एनसीआर की आर्थिक क्षमता को उजागर करने और आवागमन की मांग पूरा करने के लिए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए परिवहन पर कार्यात्मक योजना–2032 में प्रमुख क्षेत्रीय केंद्रों को जोड़ने के लिए रेल आधारित उच्च गति, उच्च आवृत्ति क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) पर विशेष जोर देने के साथ मल्टी–मॉडल परिवहन प्रणाली के विकास की सिफारिश की थी।

आरआरटीएस राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए मल्टीमॉडल एकीकृत आवागमन समाधान प्रदान करेगा। यह महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ लाएगा, जैसे प्रदूषण, यात्रा समय एवं वाहन–संचालन लागत में कमी, सड़क पर दबाव और भीड़भाड़ को कम करके (सार्वजनिक परिवहन के मॉडल शेयर में वृद्धि) संचयन लाभ, बेहतर उत्पादकता के कारण बचत, श्रम और उद्योगों के उत्पादन में सुधार, अप्रत्यक्ष और प्रेरित रोजगार और पूरे एनसीआर की जीडीपी में वृद्धि।

एक बार पूरा होने पर, डीएमआरसी और आरआरटीएस नेटवर्क चरण–I सहित दिल्ली की व्यापक पारगमन प्रणाली की लंबाई 748 किमी होगी जो लंदन क्रॉस रेल, हांगकांग एमटीआर और पेरिस आरईआर की लंबाई से अधिक है।

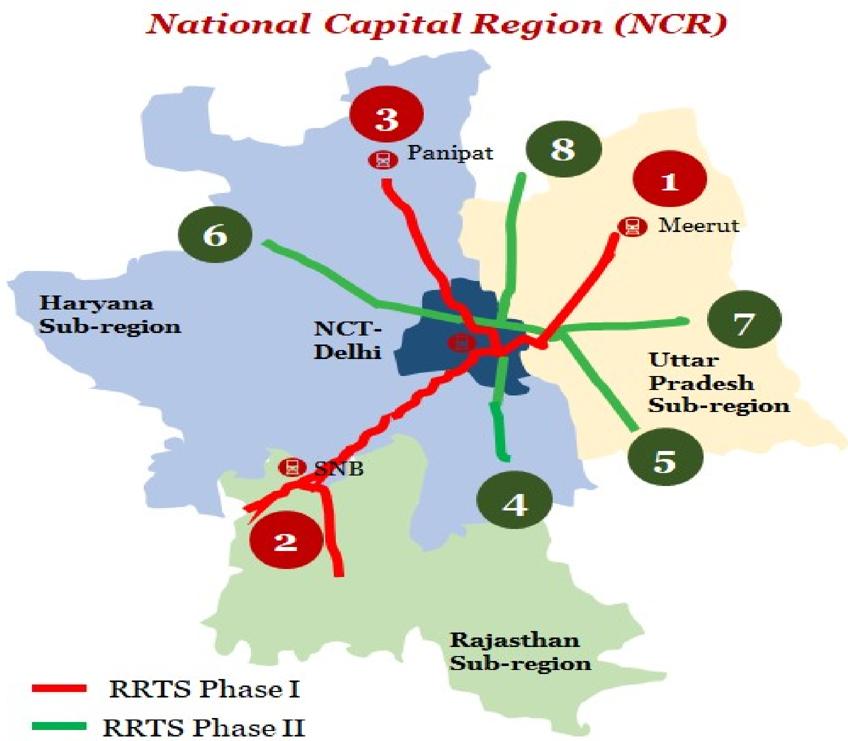

तीन प्राथमिकता वाले आरआरटीएस कॉरिडोर दिल्ली में एक सामान्य एलिवेटेड टर्मिनस स्टेशन सराय काले खां से शुरू करने की योजना है। यह कॉमन टर्मिनस स्टेशन तीन गलियारों के बीच अंतर–कनेक्टिविटी/अंतर–संचालन की सुविधा प्रदान करेगा।

दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर: दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर 15 आरआरटीएस स्टेशनों के साथ 82.15 किमी लंबा है। 03 आरआरटीएस स्टेशनों के साथ इस कॉरिडोर के दिल्ली हिस्से की लम्बाई 13 किमी (लगभग) है। कुल परियोजना लागत 30,274 करोड़ रुपये है और रा. रा.क्षे. दिल्ली सरकार का योगदान 1260 करोड़ रुपये है जो पहले ही एनसीआरटीसी को जारी किया जा चुका है। परियोजना को मार्च, 2019 में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत और अनुमोदित किया गया।

विवरण 12.2

दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के लिए जीएनसीटीडी द्वारा वर्षवार जारी धनराशि

(रुपये करोड़ में)

क्र. सं	विवरण	2018–19 में जारी धन	2023–24 में जारी धन	कुल
1.	इक्विटी के बदले अनुदान	86	179	**265**
2.	इक्विटी के बदले में अधीनस्थ ऋण	172	358	**530**
3.	अधीनस्थ ऋण (केन्द्रीय कर)	3	137	**140**
4.	अधीनस्थ ऋण (राज्य कर)	4	226	**230**
5.	अधीनस्थ ऋण (सरकारी भूमि)	0	95	**95**
	कुल	**265**	**995**	**1260***

** 1260 करोड़ रुपये में से 765 करोड़ रुपये ईसीसी फंड से जारी किए गए हैं।*

- यह गलियारा दिल्ली, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर और मेरठ के शहरी केंद्रों को जोड़ेगा, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा और यात्रियों को यात्रा में आराम मिलेगा। साहिबाबाद (यूपी) से दुहाई डिपो (यूपी) तक आरआरटीएस प्राथमिकता खंड (17 किमी) 20 अक्टूबर 2023 को चालू हो गया है। पूर्ण दिल्ली–मेरठ कॉरिडोर का वाणिज्यिक संचालन

जून–2025 तक चालू हो जाएगा। अक्टूबर, 2023 तक दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर की भौतिक प्रगति 67.3 प्रतिशत और वित्तीय प्रगति 59.99 प्रतिशत है।

- **दिल्ली–गुड़गांव–रेवाड़ी–अलवर कॉरिडोरः** आरआरटीएस कॉरिडोर को तीन चरणों में लागू किया जाएगा (चरण –1: दिल्ली–गुरुग्राम–एसएनबी (शाहजहांपुर–नीमरना–बहरोड़) शहरी परिसर, चरण –2: एसएनबी शहरी परिसर–सोतानाला रीको औद्योगिक क्षेत्र और चरण–3: एसएनबी अर्बन कॉम्प्लेक्स–अलवर)। दिल्ली–गुरुग्राम–एसएनबी कॉरिडोर को दिल्ली–अलवर कॉरिडोर के चरण–I में कार्यान्वित किया जा रहा है। यह कॉरिडोर करीब 107 किमी लंबा होगा और इसमें 16 आरआरटीएस स्टेशन होंगे। इस कॉरिडोर के दिल्ली हिस्से में 22.23 किमी (भूमिगत 22 किमी और एलिवेटिड 0.23 किमी) है, जिसमें 03 आरआरटीएस स्टेशन आईएनए, मुनिरका और एयरोसिटी (सराय काले खां के अलावा) हैं। परियोजना को पूरा करने की अनुमानित लागत 37,987 करोड़ रुपये है और रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार का योगदान 3,261 करोड़ रुपये अनुमानित है। रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने इस गलियारे के लिए वित्त वर्ष 2023–24 में 100 करोड़ रुपये जारी किए हैं। यह दिल्ली, गुरुग्राम, मानेसर, धारूहेड़ा, भिवाड़ी, रेवाड़ी और शाहजहानाबाद, नीमराणा, बहरोड़ (एसएनबी) क्षेत्र के शहरों और निवेश क्षेत्रों को जोड़ेगा, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा, यात्रियों को यात्रा में आराम मिलेगा और आर्थिक विकास में तेजी आएगी।

- **दिल्ली–पानीपत आरआरटीएस कॉरिडोरः** 17 आरआरटीएस स्टेशनों के साथ इस आरआरटीएस कॉरिडोर की कुल मार्ग लंबाई 103.02 किलोमीटर है। इस कॉरिडोर का दिल्ली हिस्से 36.2 किमी लंबा (6.5 किमी भूमिगत और 29.7 किमी एलिवेटिड) है और इसमें इंद्रप्रस्थ, कश्मीरी गेट, बुरारी क्रॉसिंग, मुकरबा चौक और अलीपुर में पांच आरआरटीएस स्टेशन (सराय काले खां के अलावा) हैं। प्रस्तावित कॉरिडोर दिल्ली, गन्नौर, समालखा और पानीपत के सघन विकास क्षेत्र से होकर गुजरता है। कुल परियोजना लागत 29,389 करोड़ रुपये है जिसमें रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार का हिस्सा 2,443 करोड़ रुपये शामिल है। रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने इस कॉरिडोर के लिए वित्त वर्ष 2023–24 में 50 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

3. सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में शामिल संस्थान और निकाय :

संस्थान / निकाय				
डीटीसी	**डीआईएमटीएस**	**डीटीआईडीसी**	**एनसीआरटीसी**	**डीएमआरसी**
दिल्ली परिवहन निगम (एसी, नॉन एसी और ई–बसों का संचालन)	दिल्ली इंटिग्रेटिड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम लिमि. (क्लस्टर स्कीम बसो का संचालन करता है)	दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम लिमि. (अंतर्राज्यीय बस अड्डा टर्मिनलों का संचालन करता है)	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआर का संतुलित एवं स्थायी शहरी विकास सुनिश्चित करता है)	दिल्ली मेट्रो रेल कोर्पोरेशन (दिल्ली–एनसीआर में मेट्रो रेल का प्रबंधन करता है)

3.1 मास रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) :

मास रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य सड़क परिवहन प्रणाली से समुचित रूप से जुड़ी प्रदूषण रहित और कुशल रेल आधारित परिवहन प्रणाली उपलब्ध कराना है।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड का पंजीकरण 03 मई 1995 को कंपनी अधिनियम 1956 के तहत किया गया था। इसमें भारत सरकार और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की समान इक्विटी भागीदारी है। फेज–1 से फेज–3 तक का काम पूरा हो चुका है जबकि फेज–4 का निर्माण कार्य प्रगति पर है। दिल्ली मेट्रो का वर्तमान नेटवर्क 350.12 किलोमीटर का है जिसमें एनसीआर का 58.5 किलोमीटर, एयरपोर्ट लाइन का 22.91 किलोमीटर और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन का 2 किलोमीटर का विस्तार शामिल है। चरण–IV के पूरा होने के बाद एनसीआर लाइनों सहित मेट्रो लाइनों की कुल लंबाई लगभग 463 किलोमीटर होगी। चरणवार विवरण इस प्रकार है:–

डीएमआरसी–फेज 1

- डीएमआरसी के फेज–1 का काम वर्ष 2002 में शुरू हुआ था और वर्ष 2006 में पूर्ण हुआ। इस परियोजना की लागत 10,571 करोड़ रुपए थी जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का हिस्सा 1,777 करोड़ रुपए है।
- फेज–1 के तहत कुल लंबाई 64.75 किलोमीटर की है और इसमें 59 स्टेशन हैं।

डीएमआरसी–फेज 2

- डीएमआरसी के फेज 2 का निर्माण कार्य वर्ष 2005 में 19,231 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हुआ था, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का हिस्सा 4,691 करोड़ रुपए है। इस फेज का काम वर्ष 2012 में पूरा हुआ।
- फेज–2 की कुल लंबाई 123.3 किलोमीटर है जिसमें 22.91 किलोमीटर हाईस्पीड एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन और 16.32 किलोमीटर एनसीआर लाइन है। इनमें 86 स्टेशन (जिनमें से 13 स्टेशन एनसीआर लाइन पर) हैं।

डीएमआरसी–फेज 3

- डीएमआरसी के फेज 3 का निर्माण कार्य वर्ष 2012 में 39,785 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हुआ था, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का हिस्सा 8,407 करोड़ रुपए था। फेज–3 का काम वर्ष 2021 में पूरा हुआ।

- फेज–3 की कुल लंबाई 162.07 किलोमीटर है (इसमें 42.18 किलोमीटर एनसीआर और 2 किमी एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन का विस्तार शामिल है)। इसमें 110 स्टेशन (30 स्टेशन एनसीआर में और एक स्टेशन एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन विस्तार के अंतर्गत) हैं।

विवरण 12.3
डीएमआरसी फेज–3 का विवरण

क्र. सं	लाइन	कॉरीडोर का नाम	लम्बाई (किमी)	स्टेशनों की संख्या
1.	लाइन 2	विस्तार : जहांगीरपुरी–बादली	4.373	3
2.	लाइन 5	विस्तार : मुंडका–टिकरी बॉर्डर	6.308	4
3.	लाइन 6	विस्ताररू केंद्रीय सचिवालय–कश्मीरी गेट	9.272	7
4.	लाइन -7	मजलिस पार्क– शिव विहार	59.242	38
5.	लाइन -8	जनकपुरी पश्चिम–कालिंदीकुंज	33.499	23
6.	लाइन -9	द्वारका–नजफगढ़	4.303	3
7.	लाइन -9	ढांसा बस स्टैंड तक विस्तार	0.891	1
		उप–योग (दिल्ली)	**117.89**	**79**
		एनसीआर में		
1.	लाइन 6	विस्तार : बदरपुर–फरीदाबाद	13.56	9
2.	लाइन 5	विस्तार : टिकरी बॉर्डर– बहादुरगढ़	4.88	3
3.	लाइन 6	एस्कॉट्र्स मुजेसर – बल्लभगढ़	3.35	2
4.	लाइन 8	कालिंदीकुंज – बॉटनिकल गार्डन	3.96	2
5.	लाइन 1	दिलशाद गार्डन से नया बस अड्डा गाजियाबाद	9.64	8
6.	लाइन 3	नोएडा सिटी सेंटर से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी	6.80	6
		उप–योग (एनसीआर)	**42.18**	**30**
		कुल	**160.07**	**109**
7.	एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन का विस्तार	द्वारका सेक्टर –21 से द्वारका सेक्टर–25	**2.008**	**1**

डीएमआरसी–फेज 4

- चरण– IV में 3–3 कॉरिडोर के दो भाग हैं। पहले भाग में, प्राथमिकता वाले 03 कॉरिडोर का निर्माण वर्ष 2020–21 में शुरू हुआ, जिसकी कुल परियोजना लागत 24,949 करोड़ रुपये है। रा.रा. क्षे. दिल्ली सरकार की हिस्सेदारी 5,887 करोड़ रुपये है जिसमें अतिरिक्त 244 कारों की लागत शामिल है। नवंबर, 2023 तक चरण–IV के प्राथमिकता वाले 03 कॉरिडोर की भौतिक प्रगति 43.75% है।

- डीएमआरसी ने दिल्ली मेट्रो चरण–IV के शेष 3–कॉरिडोरों के लिए संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की है, जिसकी कुल परियोजना लागत 13011.26 करोड़ रुपये है, जिसमें रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की हिस्सेदारी 3082.89 करोड़ रुपये है।

- मौजूदा ब्रॉड–गेज लाइन को कुंडली (हरियाणा) तक विस्तारित करने पर विचार करते हुए रिठाला–नरेला कॉरिडोर के लिए अलग विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की गई है।

विवरण 12.4

डीएमआरसी–फेज 4 का विवरण

क्र.सं.	कॉरिडोर का नाम	लंबाई (कि.मी)	स्टेशनों की संख्या
फेज–4 (पहले तीन प्राथमिकता कॉरिडोर)			
1.	मजलिस पार्क–बुरारी– मौजपुर	12.32	8
2.	आर.के.आश्रम – जनकपुरी (दक्षिण)	29.26	22
3.	एयरोसिटी – साकेत– तुगलकाबाद	23.62	15
	सब टोटल	65.20	45
फोज– 4 (अन्य 3 कॉरिडोर)			
1.	लाजपत नगर–साकेत जी ब्लॉक	12.38	10
2.	इंद्रलोक दृ इंद्रप्रस्थ	8.39	8
3.	रिठाला – बवाना–नरेला (मेट्रो लाइट	26.46	21
	सब टोटल	47.23	37
	कुल	**112.43**	**84**

विवरण 12.5

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा एमआरटीएस चरण–IV (3 प्राथमिकता कॉरिडोर) के लिए वर्ष–वार जारी की गई धनराशि

(रुपये करोड़ में)

क्र. सं	वर्ष	इक्विटी	भूमि के लिए एस.डी.	राज्य करों के लिए एस.डी.	केन्द्रीय करों के लिए एस.डी.	कुल
	रा. रा. क्षे. दिल्ली सरकार का शेयर	**2664.9**	**1223.6**	**1243.31**	**755.14**	**5886.95**
जारी धनराशि						
1	2018-19	50.00	100.00	-	50.00	**200.00**
2	2019-20	150.01	1,123.6	-	50.00	**1,323.61**
3	2020-21	500.00	0	125.00	125.00	**750.00**
4	2021-22	800.00	0	200.00	150.00	**1150.00**
5	2022-23	797.50	0	50.00	50.00	**897.50**
6	2023–24 (अक्टूबर, 2023 तक)	165.00	0.00	50.00	50.00	**265.00**
7	कुल जारी	2462.51	1,223.6	425.00	475.00	**4,586.11**
8	वित्तीय वर्ष 2022–23 में डीएमआरसी द्वारा खर्च न की गई एवं वापस हस्तांतरित की गई धनराशि	454.69	312.96	200.00	200.00	**1167.65**
9	जारी निवल	**2007.82**	**910.64**	**225.00**	**275.00**	**3418.46**

- 2022–23 के दौरान दर्ज की गई औसत दैनिक यात्री यात्रा लगभग 46 लाख है। दिल्ली में मेट्रो ट्रेनें सुबह 6:00 बजे से रात लगभग 11:00 बजे तक चलती हैं। ट्रेन की आवृत्ति व्यस्त समय में 2 मिनट 44 सेकंड से लेकर गैर–व्यस्त समय में 10 मिनट तक होती है। वर्ष–वार औसत दैनिक सवारी/यात्री यात्रा के संबंध में जानकारी विवरण 12.6 में प्रस्तुत की गई है।

विवरण 12.6

औसत दैनिक यात्री संख्या और कोचों की संख्या (एयर पोर्ट लाइन और रैपिड मेट्रो सहित)

वर्ष	दैनिक यात्री	परिचालित रूट (किमी)	रोलिंग स्टॉक (कोचों की संख्या)
2013-14*	22,04,908	188.05	1,282
2014-15*	24,02,850	191.12	1,306
2015-16*	26,15,050	209.97	1,392
2016-17*	28,00,792	209.97	1,468
2017-18*	25,87,271	249.46	1,888
2018-19*	25,93,090	342.07	2188
2019-20**	27,80,000***	359.23	2,242
2020-21** (07.09.2020 – 31.03.2021)	8,78,000***	359.23	2,280
2021-22	25,16,068***	360.98	2,282
2022-23	46,26,592***	362.27	2,304

स्रोत परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स.

** एयरपोर्ट लाइन सहित। डीएमआरसी ने 30.06.2013 के व्यावसायिक परिचालन समय की समाप्ति से परिचालन अपने हाथ में ले लिया है।*

*** रैपिड मेट्रो भी शामिल है। डीएमआरसी ने 22.10.2019 को इसका संचालन अपने हाथ में ले लिया है।*

**** यात्री यात्रा (यात्री यात्रा किसी यात्री द्वारा उपयोग किए जाने वाले कॉरिडोर की संख्या के संदर्भ में मेट्रो यात्रा की गणना करती है।)*

3.2 दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी)

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार डीटीसी के लिए बसों की खरीद और बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए इक्विटी पूंजी जारी करती है। नवम्बर 2023 तक डीटीसी के पास 40 डिपो का बुनियादी ढांचा है। दिसंबर 2023 तक डीटीसी के बेड़े में 4,346 बसें हैं जिनमें 1231 एसी सीएनजी लो फ्लोर बसें और 1960 नोन–एसी सीएनजी लो–फ्लोर बसें हैं तथा 1155 एसी लो फ्लोर (बिजली चालित) बसें थीं। डीटीसी एनसीआर में सबसे बड़ी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था है। 2022–2023 में लगभग 25.02 लाख यात्रियों ने प्रतिदिन डीटीसी में सफर किया और इसकी बसों ने प्रतिदिन 6.43 लाख किलोमीटर की दूरी तय की है। डीटीसी प्रतिदिन 489 सिटी रूटों पर और एनसीआर के 08 रूटों पर 34,455 (औसतन) फेरे लगाती है। डीटीसी दिल्ली–काठमांडू मार्ग पर अंतर्राष्ट्रीय बस सेवा का संचालन भी करती है। डीटीसी का कार्य–निष्पादन विवरण 12.7 में और गतिविधि–वार स्थिति विवरण 12.8 में दर्शायी गई है।

विवरण 12.7

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) का कार्यनिष्पादन

क्र.सं	वर्ष	बेड़ा (संख्या में)	बेड़े का उपयोग (प्रतिशत में)	वाहन उपयोग (किमी/बस/दिन)	लोड फैक्टर (संख्या में)	प्रति बस प्रतिदिन यात्री सफर (संख्या में)	दैनिक औसत यात्री (लाख में)
1.	2017-18	3,951	85.69	191	83.83	878	29.86
2.	2018-19	3,849	84.62	195	81.34	915	30.15
3.	2019-20	3,762	85.04	193	86.17	1,033	33.31
4.	2020-21	3,760	76.95	180	69.50	423	12.24
5.	2021-22	3,762	85.27	201	64.94	487	15.62
6.	2022-23	3,937	83.42	194	81.67	756	25.02

स्रोतः परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स. और डीटीसी के परिचालन आंकड़े

विवरण 12.8

दिल्ली परिवहन निगम की गतिविधियाँ : 2017–18 से 2021–22

क्र.स.	विवरण	प्रकार	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1.	बेड़े में कुल बसें (अंत में)	नॉन-एसी	2,506	2,505	2,504	2,504	2381
		एसी	1,275	1,257	1,256	1,256	1256
		स्टैंडर्ड	68	-	-	-	-
		इलेक्ट्रिक एसी	-	-	-	2	300
		कुल	3849	3,762	3,760	3,762	3937
2.	सड़क पर बसें (दैनिक औसत)	नॉन -एसी	2,197	2,149	1,963	2,113	2057
		एसी	1,071	1,073	931	1,093	1051
		स्टैंडर्ड	27	-	-	-	-
		इलेक्ट्रिक एसी	-	-	-	-	202
		कुल	3,295	3,222	2,894	3,206	3310
3.	यात्रियों की संख्या (करोड़ में)	नॉन- एसी	84.96	85.66	31.41	39.51	60.64
		एसी	24.35	36.16	13.27	17.51	25.98
		स्टैंडर्ड	0.74	-	-	-	-
		इलेक्ट्रिक एसी	-	-	-	-	4.71
		कुल	110.15	121.82	44.68	57.02	91.33
4.	दैनिक औसत यात्री (लाख में)	नॉन- एसी	23.28	23.4	8.6	10.82	16.61
		एसी	6.67	9.88	3.64	4.8	7.12
		स्टैंडर्ड	0.2	-	-	-	-
		इलेक्ट्रिक एसी	-	-	-	-	1.29
		कुल	30.15	33.29	12.24	15.62	25.02
5.	किलोमीटर संचालित (करोड़ में)	नॉन- एसी	15.68	14.96	12.3	15.19	14.43
		एसी	7.57	7.76	6.69	8.36	7.58
		स्टैंडर्ड	0.15	-	-	-	-
		इलेक्ट्रिक एसी	-	-	-	-	1.45
		कुल	23.4	22.72	18.99	23.55	23.46
6.	किलोमीटर संचालित दैनिक औसत (लाख में)	नॉन- एसी	4.3	4.09	3.37	4.16	3.95
		एसी	2.07	2.12	1.83	2.29	2.08
		स्टैंडर्ड	0.04	-		-	-
		इलेक्ट्रिक एसी	-	-	-	-	0.40
		कुल	6.41	6.21	5.2	6.45	6.43
7.	प्रति 10000 बसों पर ब्रेक–डाउन	नॉन- एसी	710	806	472	766	1270
		एसी	898	1029	627	885	1447
		स्टैंडर्ड	735	-		-	-
		इलेक्ट्रिक एसी	-	-	-	-	166
		कुल	781	880	522	807	1259
8.	दुर्घटनाएं	नॉन -एसी	79	83	55	65	75
		एसी	45	35	12	30	41
		स्टैंडर्ड	1	-		-	-
		इलेक्ट्रिक एसी	-	-	-	-	2
		कुल	125	118	67	95	118
9.	अंतरराज्यीय बस रूट सेवा	-	8	7	7	7	8
10.	डी.टी.सी. वर्कशॉप	-	2	2	1	1	-
11.	डी.टी.सी. डिपो	-	39	35	35	36	37

स्रोतः परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स.

दिल्ली सरकार डीटीसी और क्लस्टर बसों के लिए विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों जैसे छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों, स्वतंत्रता सेनानियों आदि को रियायती बस पास प्रदान कर रही है। रियायत राशि की प्रतिपूर्ति रा.रा.क्षे.दि.स. द्वारा की जाती है। इसके अलावा, दिल्ली में सभी समूह/उम्र की महिला यात्रियों के लिए (डीटीसी और क्लस्टर बसों में) यात्रा निःशुल्क है। 2022–23 में रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा कुल 224.80 करोड़ रुपये की (डीटीसी रियायती पास 24.80 करोड़ रुपये और गुलाबी पास के लिए 200 करोड़ रुपये) प्रतिपूर्ति की गई।

3.2 दिल्ली एकीकृत बहु–मॉडल ट्रांजिट प्रणाली लिमिटेड (डीआईएमटीएस)

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल के तहत 2011–12 में ब्लूलाइन प्राइवेट स्टेट कैरिएज सिस्टम के प्रतिस्थापन के लिए प्राइवेट स्टेज कैरिएज सर्विस के निगमीकरण की योजना शुरू की। क्लस्टर योजना सकल–लागत मॉडल (ओपेक्स मॉडल) पर आधारित है, जहां बेड़े मालिकों को फेयर बॉक्स इनफ्लो के बावजूद परिचालन मापदंडों के आधार पर पारिश्रमिक दिया जाता है। इस योजना के तहत दिल्ली के 657 स्टेज कैरिज बस रूटों को 14 अलग–अलग क्लस्टर में बांटा गया है। दिसंबर, 2023 तक, जीएनसीटीडी में 14 क्लस्टरों के तहत 2,841 क्लस्टर बसें (एसी सीएनजी–750, नॉन–एसी सीएनजी–1,997 और 94 ई–बसें) परिचालन में हैं। क्लस्टर बसों में इलेक्ट्रॉनिक टिकिटिंग मशीन (ईटीएम) आधारित स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली (एएफसीएस) पूरी तरह से लागू की गई है। क्लस्टर बसों का प्रदर्शन डेटा नीचे दिया गया है:–

विवरण 12.9

क्लस्टर बसों का कार्यनिष्पादन

क्र सं	वर्ष	बेड़ा (संख्या में)	बेड़े का उपयोग (प्रतिशत में)	वाहन उपयोग (किमी/बस/दिन)	लोड फैक्टर (संख्या में)	प्रति बस प्रतिदिन यात्री सफर (संख्या में)	दैनिक औसत यात्री (लाख में)
1.	2017-18	1744	97.16	205.15	81	753	11.65
2.	2018-19	1,803	98.66	211.02	88	760	12.24
3.	2019-20	2,910	96.48	202.10	89	841	17.71
4.	2020-21	3,191	98.88	214.05	67	308	8.51
5.	2021-22	3310	99.01	217.10	68	351	9.87
6.	2022-23	3293	97.18	204.82	81	513	16.39

स्रोतः परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स. और डीआईएमटीएस लिमिटेड

** लोड फैक्टर की गणना केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान (सीआईआरटी) के फॉर्मूले का उपयोग करके की जाती है।*

- **फीडर बस सेवा**–फीडर बस सेवा का संचालन 1 अप्रैल, 2023 से परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने डीएमआरसी से अपने हाथ में ले लिया है और फीडर बस सेवा के संचालन की निगरानी के लिए डीआईएमटीएस को एकीकृत तंत्र (आईएम) के रूप में नियुक्त किया गया है। 02 क्लस्टरों से 94 फीडर बस सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

- **डीटीसी और क्लस्टर बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाना** : सभी डीटीसी और क्लस्टर बसों में हार्डवेयर लगाने (3 आईपी सीसीटीवी कैमरा, 7 इंच की स्क्रीन, 10 पैनिक बटन, हूटर और स्ट्रोब, ड्राइवर और कंडक्टर सीट से संवाद के आदान–प्रदान की सुविधा, जीपीएस के साथ एमएनवीआर) का काम पूरा हो गया है।

- **डीटीसी की रात्रि बस सेवा में बढोतरी (रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक)**
  महिलाओं की सुरक्षा को लेकर डीटीसी अपने बस चालक और अन्य कर्मचारियों के लिए नियमित आधार पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। 27 रूटों पर 88 रात्रि सेवा बसें चल रही हैं । 30 लेडीज स्पेशल बसें 30 रूटों पर व्यस्त समय में चलाई जा रही हैं। सभी बसों में 25 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं (जैसे लो–फ्लोर बसों में 10 सीट और स्टैंडर्ड फ्लोर बसों में 12 सीट) वर्ष 2020–21 से 2022–23 का तुलनात्मक ब्यौरा विवरण 12.10 में दिया गया है।

विवरण 12.10

डीटीसी बसों की कार्य निष्पादन

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23
रात्रि सेवा बसों की संख्या	88	88	88
रात्रि सेवा रूटों की संख्या	27	27	27
सिविल डिफेंस मार्शल और होमगार्ड की संख्या	9,286	8,968	8628*
लेडीज स्पेशल बस रूट की संख्या	30	30	30
महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों का प्रतिशत	25	25	25

स्रोतः परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स.

** 3527 होमगार्ड और 101 भूपूसै शामिल है।*

- **बसों में मार्शलों की तैनाती :**
  रा.रा.क्षे दिल्ली सरकार ने 29.10.2019 से सभी डीटीसी और क्लस्टर बसों में दोनों पारियों में मार्शल तैनात करने का फैसला किया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए 31.10.2023 तक क्लस्टर बसों में 2752 मार्शलों और डीटीसी बसों में 8628 मार्शल और होमगार्ड की तैनाती की गई।

3.4 दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (डीटीआईडीसी)

दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (डीटीआईडीसी) की स्थापना शहरी परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास, कार्यान्वयन, संचालन और रख–रखाव के उद्देश्य से की गई है। मौजूदा समय में तीन आईएसबीटी–कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां–संचालन में हैं और ये डीटीआईडीसी के नियंत्रण में हैं। डीटीआईडीसी द्वारा 1,993 बस क्यू शेल्टर (बीक्यूएस) का भी रखरखाव किया जा रहा है। परिवहन विभाग के अंतर्गत सभी डिपो और अन्य सिविल और विद्युत बुनियादी ढांचे का रखरखाव डीटीआईडीसी द्वारा किया जा रहा है।

3.5 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी)

एनसीआरटीसी आरआरटीएस के कार्यान्वयन के लिए 2011 में भारत सरकार तथा दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था। इसका संचालन राज्य सरकारों की भागीदारी से किया जाता है, जबकि मेट्रो रेल परियोजनाएं संबंधित राज्य सरकारों द्वारा संचालित की जाती हैं। आरआरटीएस एक समाजोन्मुखी, बहु–राज्यीय, केंद्रीय क्षेत्र की परियोजना है जिसे बेहतर कनेक्टिविटी और पहुंच के माध्यम से संतुलित और टिकाऊ शहरी विकास के लिए राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में कार्यान्वित किया जा रहा है।

4. प्रमुख संकेतकों की उपलब्धि/प्रगति

- **मोटर वाहन**

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वर्ष 31 मार्च, 2023 को मोटर वाहनों की कुल संख्या 79.45 लाख थी। इसमें 2021–22 की तुलना में 0.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिल्ली सरकार ने दस वर्ष से पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया है। इस वजह से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने वर्ष 2022–23 तक 62,59,214 वाहनों का पंजीकरण रद्द कर दिया। दिल्ली में मोटर वाहनों की संख्या में श्रेणीवार वृद्धि विवरण 12.11 में दर्शाया गई है।

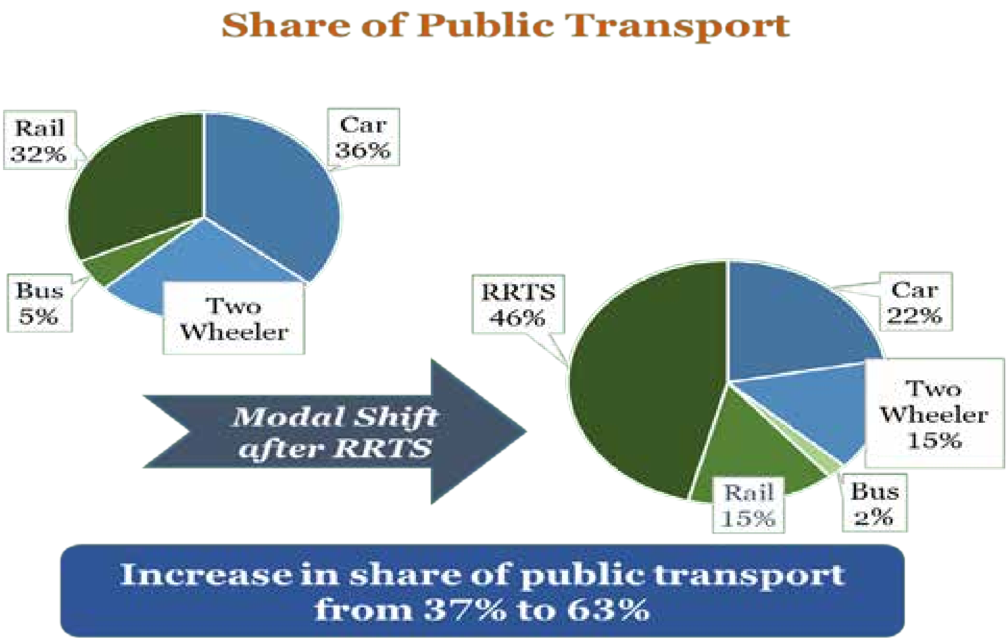

विवरण 12.11

वाहनों की संख्या में श्रेणीवार वृद्धि

क्र सं	विवरण	वाहनों की संख्या						
		2016-17	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
1.	कार और जीप	31,52,710	32,46,637	32,49,670	33,11,579	33,84,736	20,76,113	20,71,115
2.	मोटर साइकिल और स्कूटर/दुपहिया	66,07,879	70,78,428	75,56,002	79,59,753	82,39,550	52,68,685	52,94,900
3.	एम्बुलेंस	3,059	3,220	2,358	2,287	2,289	1,145	1,172
4.	ऑटो रिक्शा (सवारी)	1,05,399	1,13,074	1,13,240	1,14,891	1,14,869	93,578	93,654
5.	टैक्सी	1,18,308	1,18,060	1,09,780	1,22,476	1,12,401	85,033	83,278
6.	बसें	35,206	35,285	32,218	33,302	33,294	17,522	17,232
7.	अन्य सवारी वाहन	59,759	76,231	81,422	85,477	91,887	1,14,504	1,18,506
8.	ट्रैक्टर्स, सामान ढुलाई वाहन (सभी प्रकार के) और अन्य	3,00,437	3,15,080	2,46,861	2,63,112	2,74,324	2,61,318	2,65,739
	कुल	**1,03,82,757**	**1,09,86,015**	**1,13,91,551**	**1,18,92,877**	**1,22,53,350**	**79,17,898**	**79,45,596***

स्रोतः परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स.

** दिल्ली सरकार ने 10 वर्ष से पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से पुराने पेट्रोल वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया है। इसलिए 2022–23 तक 62,59,214 वाहनों का पंजीकरण रद्द कर दिया गया है।*

चार्ट 12.1

दिल्ली में वाहनों की संख्या में वृद्धि

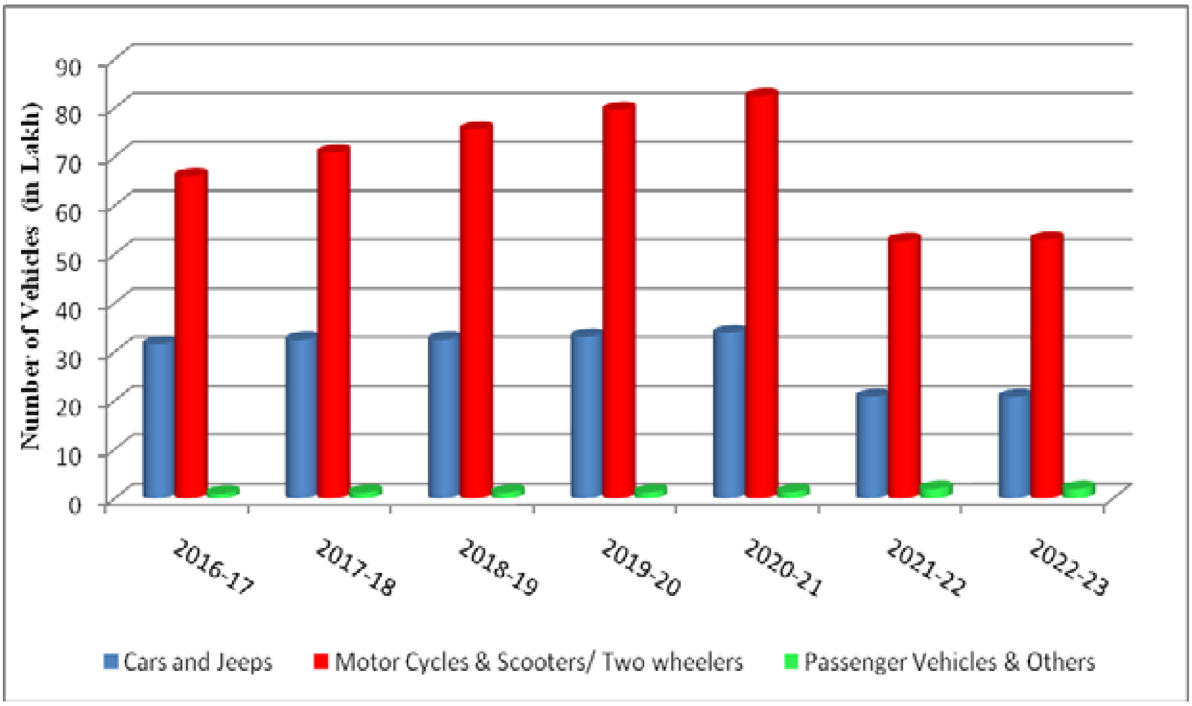

- वर्ष 2022–23 के दौरान प्रति 1000 की आबादी पर वाहनों की संख्या 473 रही जबकि 2021–22 में यह 472 थी। वार्षिक वृद्धि दर से संबंधित ब्यौरा चार्ट 12.2 में दिया गया है।

चार्ट 12.2

परिवहन प्रवृत्तियां

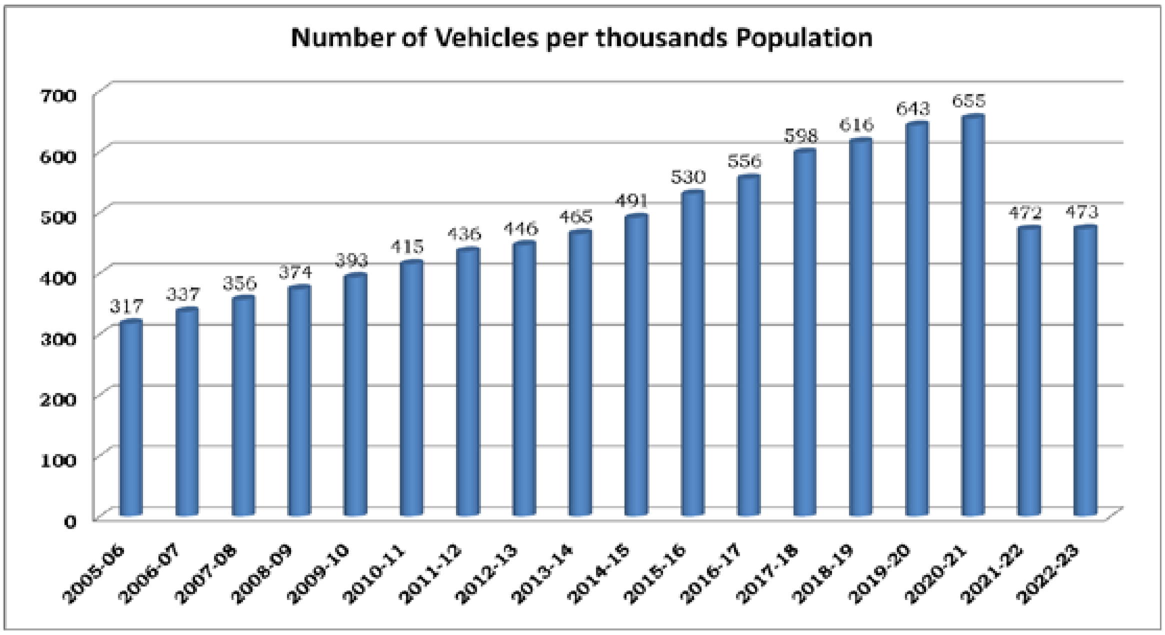

- दिल्ली भारत में निजी मोटरवाहनों का केंद्र है। दिल्ली में कुल मोटरचालित वाहनों की संख्या 79.45 लाख है। कुल पंजीकृत मोटरवाहनों में 26 प्रतिशत से अधिक संख्या कारों और जीपों की है, जबकि कुल पंजीकृत वाहनों में करीब 66.64 प्रतिशत दुपहिया वाहन हैं। दिल्ली में 2022–23 के दौरान मोटर वाहनों का प्रतिशत चार्ट 12.3 में दर्शाया गया है।

चार्ट 12.3

वाहनों की संख्या (2021–22) का प्रतिशत

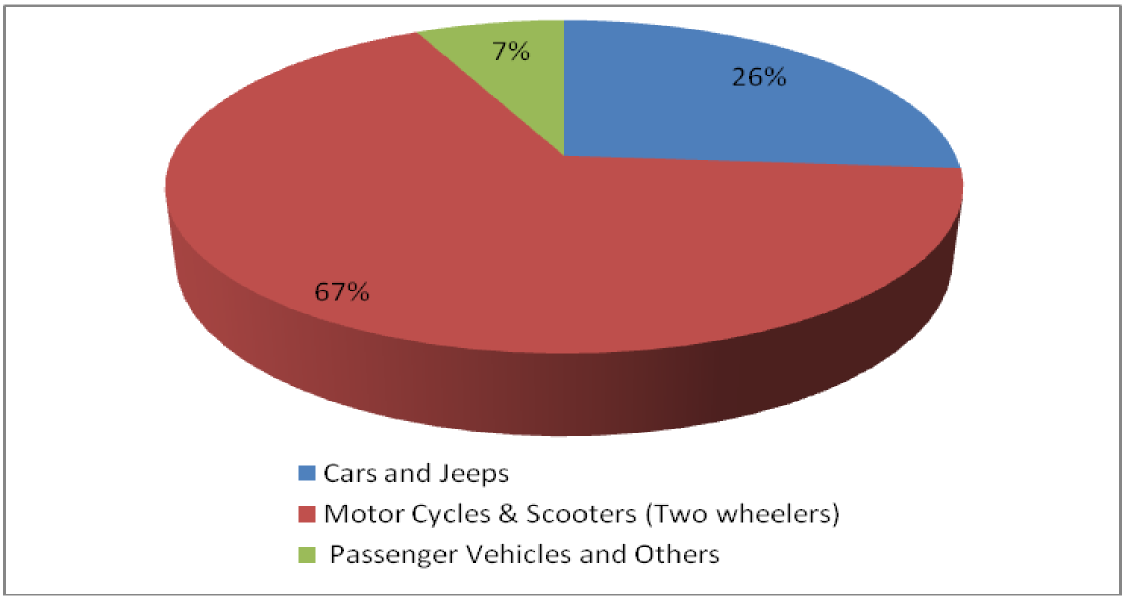

- दिल्ली की सड़कों पर चल रहे हैं वाहन और दिल्ली में पंजीकृत वाहनों की सांख्या समान नहीं है क्योंकि दिल्ली में पंजीकृत वाहन दिल्ली एनसीआर में चल रहे हैं और दिल्ली एनसीआर के वाहन दिल्ली में चल रहे हैं।

- परिवहन विभाग दिल्ली में वाहनों की वास्तविक संख्या का पता लगाने के प्रयास कर रहा है। इसके लिए ऐसे वाहनों को भी हिसाब में लिया जा रहा है जो किसी वजह से चलने योग्य नहीं है और अन्य राज्यों से दिल्ली में आये हैं या दिल्ली से अन्य राज्यों में चले गये हैं।

5. चालू योजनाएं और नई पहल

5.1 **विद्युत वाहन नीति :**

दिल्ली विद्युत वाहन नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में बिजली चालत वाहनों के उपयोग में तेजी लाना और इनके लिए आवश्यक चार्जिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करना है। इसके लिए बिजली वाहनों की खरीद में प्रोत्साहन, पुराने वाहन हटाने पर प्रोत्साहन, ऋणों पर ब्याज में छूट, रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क से छूट और चार्जिंग तथा बैटरी बदलाव स्टेशन स्थापित करने में तेजी लाई जा रही है। विद्युत वाहन खरीद और पुराने वाहनों की बिक्री पर प्रोत्साहन राशि के संवितरण के लिए सॉफ्टवेयर शुरू किया गया है।

इस नीति का उद्देश्य ड्राइविंग, बिक्री, वित्त पोषण, विद्युत वाहनों की सर्विसिंग और चार्जिंग क्षेत्र में रोजगार सृजन में सहयोग करना भी है।

5.2 **विद्युत वाहनों की बिक्री** : 7 अगस्त 2020 से सितम्बर 2023 तक 1,44,405 विद्युत चालित वाहनों की बिक्री हो चुकी है।

53 **ई–रिक्शा के लिए सब्सिडी** : 07.08.2020 से पंजीकृत ई–रिक्शा के लिए पूरी तरह ऑनलाइन सब्सिडी प्रदान की जा रही है। दिल्ली में प्रथम से अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए लाभार्थियों को यह सब्सिडी संवितरित की जा रही है।

5.4 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में ईवी चार्जिंग और स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित पहल की गई हैं।

- परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स. ने 3 वर्षों के भीतर दिल्ली भर में 18,000 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग पॉइंट की तैनाती के लिए एक व्यापक ईवी चार्जिंग और स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य योजना तैयार की है।
- सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों और बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों का पता लगाने के लिए उपभोक्ताओं को श्वन दिल्लीश मोबाइल ऐप सुविधा प्रदान की गई है।
- परिवहन विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स. ने नीति के आदेश के अनुसार एक खुला, सार्वजनिक स्वामित्व वाला डेटाबेस स्थापित किया है।

5.5 चार्जिंग सुविधाओं की स्थिति

- दिल्ली में सितम्बर, 2023 तक कुल 4793 चार्जिंग प्वाइंट्स और 318 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन कार्यरत थे।

5.6 विद्युत बसें :

- भारी उद्योग मंत्रालय ने भारत में विद्युत वाहन तेजी से अपनाए जाने और विनिर्माण की एक स्कीम – (फेम इंडिया) वर्ष 2015 में तैयार की थी ताकि विद्युत और हाईब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया जा सके और इनका सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके। रा.रा.क्षे दिल्ली सरकार ने दिल्ली में पूरी तरह से विद्युत चालित बसें चलाने का फैसला किया है, जिससे वाहनों से होने वाला प्रदूषण काफी कम किया जा सकेगा।
- कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड– सीईएसएल की ग्रैंड चौलेंज योजना के माध्यम से 1500 इलेक्ट्रिक बसें (921 फेम II योजना और 579 गैर–फेम II) प्रस्तावित की गईं। इसके बाद, अब तक (दिसंबर,2023) 996 ई–बसें शामिल की गई हैं और इन्हें 08 डीटीसी इलेक्ट्रिक डिपो और 03 क्लस्टर इलेक्ट्रिक डिपो से संचालित किया जा रहा है।
- इनके अलावा, 1040, 9 मीटर लो फ्लोर (400 मिमी) एसी इलेक्ट्रिक–बसें वेट लीज पर, और 2400, 12 मीटर लो फ्लोर (400 मिमी) एसी इलेक्ट्रिक बसें ड्राई लीज पर शामिल करने का प्रस्ताव है।

6. महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा सुविधा

रा.रा. क्षे दिल्ली सरकार द्वारा डीटीसी/क्लस्टर बसों में महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा सुविधा 29 अक्तूबर 2019 से दी जा रही है। एसी और नॉन एसी बसों में 10 रुपये मूल्य का एकल यात्रा पास मौजूदा समय में गुलाबी रंग के टिकट के रूप में जारी किया जा रहा है। डीटीसी इन पासों को प्रिंट करवा रही है और क्लस्टर बसों के लिए डीआईएमटीएस को दे रही है। डीटीसी और डीआईएमटीएस दोनों इन टिकटों का समुचित हिसाब रख रहे हैं। वर्ष 2022–23 के दौरान 22

करोड़ महिला यात्रियों ने डीटीसी और 23.41 महिला यात्रियों ने क्लस्टर बसों में निशुल्क यात्रा की।

7. परिवहन सेवाओं का सुधार पैकेज

परिवहन विभाग ने सभी सार्वजनिक सेवाएं फेसलेस यानी संपर्क रहित उपलब्ध कराने की बड़ी पहल की है। आवेदकों को केवल ड्राइविंग टेस्ट या वाहन उपयुक्तता प्रमाणपत्र लेने के लिए प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होना होगा। इससे विभाग का लोगों के साथ कम से कम व्यक्तिगत संपर्क होगा।

7.1 **फेसलेस सेवाएं** : मौजूदा समय में 47 सेवाएं (12 आरसी सेवा, 17 परमिट और फिटनेस सेवा, 16 डीएल सेवाएं, पहले चरण में) पूरी तरह फेसलेस डिलिवरी मोड में कर दी गई हैं और अक्टूबर 2023 तक 30 लाख से अधिक आवेदकों को इस कार्यक्रम से लाभ हुआ है। शेष दो सेवाएं (क) वाहनों के बदलने के लिए एलओआई जारी करना (ख) पीएसवी रिप्लेसमेंट के लिए नो ड्यूज प्रमाणपत्र, दूसरे चरण में प्रक्रियाधीन है) जल्द ही इसी तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे जनता के साथ विभाग का व्यक्तिगत संपर्क कम हुआ है।

ई–शासन पहल के रूप में परिवहन विभाग द्वारा वाहनों के पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने, परमिट जारी करने, रोड टैक्स संग्रह, वाहनों के लिए फैंसी/पसंदीदा पंजीकरण संख्या आवंटित करने, उपयुक्तता प्रमाणपत्र जारी करने, प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रमाणपत्र जारी करने का काम फेसलेस बनाया गया है।

7.2 **ऑन लर्निंग लाइसेंस टेस्ट** और टेस्ट पास करने के बाद ई–लर्नर लाइसेंस जारी करने का काम ऑनलाइन किया जाता है। निजी वाहनों के डीलरों (दोपहिया और चार पहिया) को पंजीकरण प्राधिकरणों के रूप में अधिकृत किया गया है, जिससे वाहन मालिक द्वारा नए वाहनों की डिलिवरी लेते समय ही रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट डीलर से तुरंत प्राप्त हो जाता है। इसके अलावा सभी पंजीकरण प्रमाणपत्र और ड्राइविंग लाइसेंस एम–परिवहन मोबाइल एप और डिजिलॉकर में इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराये गए हैं।

73 **महिला चालकों की भर्ती** : परिवहन विभाग भारी मोटर वाहनों को डीटीसी और क्लस्टर बस बेड़े में शामिल करने के लिए निशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है। अनेक महिला चालकों को डीटीसी में शामिल किया गया है। इसी प्रकार ब्लू स्मार्ट, ओला, उबर आदि कैब समूहों में ड्राइवर के रूप में भर्ती होने के लिए महिलाओं को निशुल्क एलएमवी प्रशिक्षण देने के लिए स्वीकृति दी जा रही है।

7.4 **स्वचालित ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक** : ऐसे ट्रैकों की स्थापना ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करने वालों के ड्राइविंग कौशल के जांच के लिए की गई है। ये ट्रैक सीसीटीवी कैमरे, सेंसर इत्यादि से पूरी तरह लैस होते हैं। इस प्रकार के ड्राइविंग कौशल परीक्षणों में मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता। दिल्ली में 13 ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक पहले ही स्वचालित बना दिए गए हैं, जो शकूर बस्ती, राजा गार्डन, मयूर विहार, रोहिणी सेक्टर 28, हरि नगर, बुराड़ी में दो केंद्र, लोनी रोड, द्वारका सेक्टर 22, झडौदा कलां, विश्वास नगर और सराय काले खां तथा लाडो सराय में कार्यरत हैं।

अध्याय एक नजर में

➢	40 डीटीसी और 23 क्लस्टर बस डिपो संचालन में हैं और एक डीटीसी डिपो, जिसका नाम सावदा घेवरा है, निर्माणाधीन है। कुल 11 बस डिपो (डीटीसी–8, क्लस्टर–3) विद्युतीकृत हैं।।
➢	भारत के रेल मानचित्र पर दिल्ली एक प्रमुख जंक्शन है जो सभी प्रमुख महानगरीय शहरों से सीधे जुड़ा हुआ है। पटपड़गंज और तुगलकाबाद में कंटेनर डिपो के अलावा पांच मुख्य रेलवे स्टेशन हैं, नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हज़रत निज़ामुद्दीन, सराय रोहिला और आनंद विहार।
➢	मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) एक महत्वाकांक्षी परियोजना है जो प्रदूषण रहित और कुशल रेल–आधारित परिवहन प्रणाली प्रदान कर रही है, जो सड़क परिवहन प्रणाली के साथ उचित रूप से एकीकृत है। वर्तमान में, दिल्ली मेट्रो नेटवर्क 350.12 किलोमीटर का है जिसमें एनसीआर का 58.5 किलोमीटर, एयरपोर्ट लाइन का 22.91 किलोमीटर और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन का 2 किलोमीटर का विस्तार शामिल है।
➢	मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) एक महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसका उद्देश्य गैर–प्रदूषणकारी और कुशल रेल–आधारित परिवहन प्रणाली प्रदान करना है, जो सड़क परिवहन प्रणाली के साथ उचित रूप से एकीकृत है।
➢	दिल्ली भारत में निजी मोटर चालित वाहनों का केंद्र है। दिल्ली में कुल मोटर चालित वाहन 79.45 लाख हैं। कुल पंजीकृत मोटर चालित वाहनों में कार और जीप की हिस्सेदारी लगभग 26% है, जबकि कुल पंजीकृत वाहनों में दोपहिया वाहन लगभग 66.64% हैं।
➢	सितंबर 2023 तक दिल्ली में 1,44,405 ई–वाहन पंजीकृत किए गए हैं (07.08.2020 से)। उपभोक्ताओं को सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों और बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों का पता लगाने के लिए श्वन दिल्लीश मोबाइल ऐप सुविधा प्रदान की गई है। सितंबर 2023 तक दिल्ली में कुल 4793 चार्जिंग पॉइंट और 318 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन चालू हैं।
➢	कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड–सीईएसएल की ग्रैंड चौलेंज योजना के माध्यम से 1500 इलेक्ट्रिक बसें (921 फेम II योजना और 579 गैर–फेम II) प्रस्तावित की गई। इसके बाद, अब तक (दिसंबर, 2023) 996 ई–बसें शामिल की गई हैं और इन्हें 08 डीटीसी इलेक्ट्रिक डिपो और 03 क्लस्टर इलेक्ट्रिक डिपो से संचालित किया जा रहा है। इनके अलावा, 1040, 9 मीटर लो फ्लोर (400 मिमी) एसी इलेक्ट्रिक–बसें वेट लीज पर, और 2400, 12 मीटर लो फ्लोर (400 मिमी) एसी इलेक्ट्रिक बसें ड्राई लीज पर शामिल करने का प्रस्ताव है।
➢	2022–23 के दौरान 22 करोड़ महिला यात्रियों ने डीटीसी में और 23.41 करोड़ ने क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा की।
➢	मौजूदा समय में 47 सेवाएं (12 आरसी सेवा, 17 परमिट और फिटनेस सेवा, 16 डीएल सेवाएं, पहले चरण में) पूरी तरह फेसलेस डिलिवरी मोड में कर दी गई हैं और अक्टूबर 2023 तक 30 लाख से अधिक आवेदकों को इस कार्यक्रम से लाभ हुआ है। शेष दो सेवाएं (क) वाहनों के बदलने के लिए एलओआई जारी करना (ख) पीएसवी रिप्लेसमेंट के लिए नो ड्यूज प्रमाणपत्र, दूसरे चरण में प्रक्रियाधीन है) जल्द ही इसी तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी।
➢	ब्लू स्मार्ट, ओला, उबर आदि कैब समूहों में ड्राइवर के रूप में भर्ती होने के लिए महिलाओं को निशुल्क एलएमवी प्रशिक्षण देने के लिए स्वीकृति दी जा रही है।